Shetty, Shri K. K.
Shinde, Shri Annasaheb P.
Shivappa, Shri N.
Shivnath Singh, Shri
Shukla, Shri B. R.
Shukla, Shri Vidya Charan
Siddayya, Shri S. M.
Sinha, Shri Nawal Kishore
Sinha, Shri R. K.
Sohan Lal, Shri T.
Sokhi, Sardar Swaran Singh
Suryanarayana, Shri K.
Swamy, Shri Sidrameshwar
Swaran Singh, Shri
Thakre, Shri S. B.
Tiwary, Shri D. N.
Uikey, Shri M. G.
Ulaganambi, Shri R. P.
Verma, Shri Balgovind
Verma, Shri Sukhdeo Prasad
Vidyalankar, Shri Amarnath
Yadav, Shri N. P.
Yadav, Shri R. P.
Zulfiquar Ali Khan, Shri

NOES

Bhargavi Thankappan, Shrimati
Bhattacharyya, Shri Dinen
Bhattacharyya, Shri Jagdish
Bhattacharyya, Shri S. P.
Deb, Shri Dasaratha
Deshpande, Shrimati Roza
Dutta, Shri Biren
Goswami, Shrimati Bibha Ghosh
Gupta, Shri Indrajit
Halder, Shri Krishna Chandra
Hazra, Shri Manoranjan
Nayak.

Jha, Shri Bhogendra
Kathamuthu, Shri M.
Krishnan, Shri M. K.
Krishnan, Shrimati Parvathi
Manjhi, Shri Bhola
Manoharan, Shri K.
Mavalankar, Shri P. G.
Mayathevar, Shri K.
Modak, Shri Bijoy
Mohammad Ismail, Shri
Mukerjee, Shri H. N.
Mukherjee, Shri Samar
Mukherjee, Shri Saroj
Muruganantham, Shri S. A.
Pajanor, Shri Aravinda Bala
Panda, Shri D. K.
Reddy, Shri B. N.
Roy, Dr. Saradish
Saha, Shri Ajit Kumar
Saha, Shri Gadadhar
Sen, Dr. Ranen
Shastri, Shri Ramavatar
Somasundaram, Shri S. D.

MR. SPEAKER: The result* of the division is: Ayes 180; Noes 34.

The motion was adopted.

13.22 hrs.

The Lok Sabha adjourned for Lunch till Half Past Fourteen of the Clock.

The Lok Sabha re-assembled after Lunch at Half Past Fourteen of the Clock.

14.30 hrs.

[SHRI P. PARTHASARATHY *in the Chair*]

PRESENTATION OF PETITION

Shri N. K. P. Salve (Betul): Sir, I beg to present a petition signed by Shrimati Vasanthi A. Pai, President, Federation for the Welfare of the

*recorded their votes:—

"The following members also recorded their votes:—

NOES: Shri N. Sreekantan Nair, L. Peje, P. Antony Reddi and Baksi and Shri K. M. 'Madhukar'.

Mentally Retarded, regarding need for separate legislation for the metally retarded persons.

14.31 hrs.

DISCUSSION RE. FLOOD AND DROUGHT SITUATION IN THE COUNTRY

MR. CHAIRMAN: Now, we will start discussion on the flood and drought situation in the country These two discussions are being taken up simultaneously. The hon. Members may make their observations on both these subjects together.

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) : सभापति महोदय, हमारा देश महान है और हमारे देश की जनता भी महान है। देश की महानता को देखते हुए इस की समस्याएं भी बहुत बड़ी बड़ी हैं, महान हैं। देश इतना बड़ा है कि हर साल विभिन्न तरह की समस्याएं उपस्थित होती रहती हैं। कोई साल ऐसा बाकी नहीं होता जिस साल कहीं बाढ़ की बात सुनने को न मिले। इस बार भी हमारे देश में भयंकर सत्यानाशी बाढ़ आई और कई राज्यों में भयंकर सूखे की स्थिति है। हमारे देश के बारह प्रदेश बाढ़ से ग्रसित हुए। (1) आन्ध्र प्रदेश का कुछ भाग (2), आसाम, (3) बिहार जिस में पहले चरण में उत्तर बिहार के नौ जिलो में बाढ़ आई जो जुलाई और अगस्त के महीने में आई और दूसरे चरण में सितम्बर में बाढ़ आई, वह मुख्य तौर से दक्षिण बिहार के जिलों में और कुछ उत्तर बिहार के जिलों में भी आई। (4) गुजरात, (5) हरयाना, (6) उत्तर प्रदेश का पूर्वी हिस्सा और उस पूर्वी हिस्से के अलावा आगरा और मथुरा जिले, (7) जम्मू और कश्मीर, (8) पंजाब, (9) मणिपुर, (10) राजस्थान, (11) त्रिपुरा और (12) पश्चिम बंगाल जहां 15 लाख लोग बाढ़ की विभीषिका से पीड़ित हैं।

मैं बिहार से आता हूं। बिहार की बात मैं ज्यादा जानता हूं। मैंने निवेदन किया कि जुलाई और अगस्त के महीने मे उत्तर बिहार के नौ जिलों में भयंकर बाढ़ आई जिस से बहुत भारी वहां के नागरिको को क्षति उठानी पड़ी। कई लाख लोग बाढ़ से पीड़ित रहे। उस के बाद 17 सितम्बर, को दक्षिण बिहार के 16 जिलों के 167 प्रखण्ड बाढ़ के आक्रांत हो गए। पटना जिले के सोलहो प्रखण्ड पानी में थे। जब उत्तर बिहार में बाढ़ थी तो दक्षिण बिहार में सूखा था और फसल मारी गई। पानी के अभाव में आधी फसल बोई नहीं गई और फिर दक्षिण बिहार में बाढ़ आ गई। पहले तो कम बारिस के कारण, अनावृष्टि से दक्षिण बिहार में त्राहि माम, त्राहि माम कर रहा था और उस के सेबाद 11 16 सितम्बर तक भयंकर बारिस हुई जिस के फलस्वरुप गंगा, सोन, पुनपुन, फल्गू, दुर्गावती, ओरगा, कर्मनाशा, उत्तर कोइल, बटाने, सुवर्णरेखा, दामोदर तथा कोंऊल इन 12 नदियों में भयंकर बाढ़ आ गई जिस की बजह से डेढ़ करोड़ लोग इस बाढ़ से प्रभावित हुए। तमाम फसलें नष्ट हो गईं। अरबों रुपये की क्षति हुई। दक्षिण बिहार में जिन दिनो में बाढ़ आई, जिन इलाकों में बाढ़ आई वहां की फसल नहीं बची, लोग पेड़ों और छप्परों पर रह कर जिन्दगी व्यतीत करने लगे। कई दिनों तक सरकारी सहायता भी नहीं पहुंची। जब वायु सेना के लोग पहुंचे दो तीन दिनों के बाद तब कुछ इलाको में जहां सहायता नहीं पहुंच पा रही थी वहां भी सहायता भेजी गई। इस तरह से बिहार में जो बाढ़ ग्रस्त जिले हैं सितम्बर की बाढ़ से जो ग्रसित हुए उन में पटना, रोहतास, भोजपुर, औरंगाबाद, नालन्दा, गया, सारन, वैशाली, समस्तीपुर, बेगूसराय, मूंगेर, भागलपुर, संथाल परगना, कटिहार, पालमू और हजारीबाग जिलों की स्थिति बहुत ही दयनीय है। ऐसी स्थिति को देखते हुए यह बात ठीक है कि सरकार से जो कुछ बन पड़ा, संतोषजनक तो नहीं कहा जा सकता, लेकिन कुछ सहायता भेजी गई। मैंने जिक्र किया कि वायु सेना के जवानों ने